



# शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज



लखनऊ, मंगलवार 25 फरवरी 2025 नगर संस्करण

पृष्ठ:-8 मूल्य:-4 रुपया

वर्ष:- 14, अंक 52

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महिलाओं...

● लखनऊ से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● विटां पारी से बेहद खुश हैं कोह राजकुमार शर्मा...

32 एकड़ में लगी छह करोड़ की अफीम की फसल नष्ट

औरंगाबाद। बिहार में मदनपुर थाना क्षेत्र में 32 एकड़ में लगी अफीम की फसल को सोमवार को नष्ट किया गया है। पुलिस सूची ने यहां बोला कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने सुदूरपश्चिमी लिकान का साधारण, उकपरी जंगली क्षेत्र में 32 एकड़ में लगे अफीम फसलों को आज बिनां कर दिया। छह करोड़ पुलिस अधीक्षक अमरीश राहल एवं जिला बन अधिकारी रुचि सिंह के निर्देश में अनुमंडल पुलिस कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में छह करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि अवैध रुप से की जा रहे अफीम की खेती के खिलाफ अधिभान चलाया जा रहा है जिसके फलस्वरूप सोमवार को 32 एकड़ में मंदराचल की इस धरती पर आना लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। यामले में वन विभाग के द्वारा अन्नात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधिमत्तम कार्बोर्वाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों एवं स्थानीय लोगों को चेतावनी दी कि किसी भी अपील की अवैधता तीव्री में लिस न हो, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि महाकुंभ के समय में मंदराचल की इस धरती पर आना लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। यामले में वन विभाग के द्वारा अन्नात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधिमत्तम कार्बोर्वाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों एवं स्थानीय लोगों को चेतावनी दी कि किसी भी अपील की अवैधता तीव्री में लिस न हो, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## प्रधानमंत्री ने जारी की किसान सम्मान की 19वीं किरस्त किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता: मोदी

एंजेंसी

पठन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागपुर जिले से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने भागलपुर से पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त के तहत 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए।

अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों को भेजने का सामाजिक मिला है। करीब 22 बजार करोड़ रुपये एक वित्तीक प्रदेशभर के किसानों के खातों में पहुंचे हैं। उन्होंने दाव किया कि बाबा अंजौनीनाथ की इस पावन धरा पर इस समय महानिश्चिन्नी की अपील की अवैधता तीव्री में लिस न हो, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।



समय में, मुझे पीएम किसान निधि की एक और किस्त देश के करोड़ों किसानों को भेजने का सामाजिक मिला है। करीब 22 बजार करोड़ रुपये एक वित्तीक प्रदेशभर के किसानों के खातों में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के खातों में लाल किले से कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत संघर्षों में, महिला और नौजवान! एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

### विकसित भारत के चार मजबूत संघर्षों

प्रधानमंत्री ने कहा, साथियों में लाल किले से कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत संघर्ष हैं, ये संघर्ष गरीब, हमारे किसान बनाई, इस योजना के तहत पौने दो लाल करोड़ रुपये का क्लोस किसानों को आपदा के समय मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में एनडीए की सरकार चाहे तो केंद्र में हो या नीतीश जी के नेतृत्व में चल रही हो, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता में है।

सरकारों किसानों को उनकी हाल पर छोड़ देते थे। 2014 में जब आपने एनडीए को आशीर्वाद दिया तो मैंने कहा, ऐसा हर्दी चलेगा। एनडीए सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना बनाई, इस योजना के तहत पौने दो लाल करोड़ रुपये का क्लोस किसानों को आपदा के समय मिल चुका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार के द्वारा एक अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

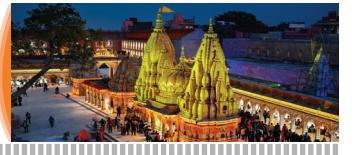
एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप्त और सस्ती खाद्य चाहिए, संचांची की सुविधा चाहिए, पशुओं का बीमारी से बचाव चाहिए और आपदा के समय नुकसान से पहुंचे हैं। ये संघर्ष हैं— गरीब, किसान,

महिला और नौजवान!

एनडीए सरकार, चाहे केंद्र में हो या फिर प्रदेश में, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि किसानों को खेती के लिए अच्छी बीज चाहिए, पर्याप



# सड़क बनवा रहे दबंग ठेकेदार ने घंटों रोक दिया एम्बुलेंस

◆ हृद हो गई

◆ रसूखदार ठेकेदार के आगे दुन हिला रहे पीड़ल्यूडी के अफसर

◆ नियम कायदों को ताक पर रखकर हो रहा चौबेपुर भगतुआ मार्ग का गठन

शकुन टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। इसे नियम कायदों की अनदेखी कहें या ठेकेदार की दबंवाई, कि सोमवार को चौबेपुर-भगतुआ रोड का मरम्मत करा रहे एक रसूखदार ठेकेदार ने लगभग एक घंटे तक पूर्ण आवागमन रोक दिया। जिसमें आम राहगीरों के बाहरों के साथ ही एम्बुलेंस के भी पथेहे घंटों थम गए। इसे लेकर रहगीरों व



ठेकेदार के बीच तीखी नोक झोंक भी हुई। जब मामला बनवे लगा तो ठेकेदार अन्यत्र भाग गया। क्षेत्रीय लोगों ने विभागीय अधिकारियों का इस और धर्म आकृष्ट करते हुए ठेकेदार के बिरुद्ध विभागीय कार्रवाई की मांग किया है।

सोमवार को सुबह 10 बजे के आस पास लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार के द्वारा चौबेपुर भगतुआ रोड को मरम्मत का कायदा कराया जा रहा था। इस बीच सेफ्टी का कोई ध्यान नहीं दिए जाने की वजह से दोनों

तरफ वाहनों का लंबा जाम लग गया। जाम के इस ज्ञाम में आम लोगों के बाहरों के साथ साथ एम्बुलेंस भी फंस गई। जब लोगों ने इसका विरोध करना शुरू किया तो ठेकेदार ने दबंगई दिखाते हुए लोगों के साथ दुर्घटनाकर पर उतारू हो गया। भावावेस में वह इतना बहक गया कि लोक निर्माण विभाग के अफसरों तक को गालिया देने लगा। उसकी यह दादारियाँ देख लोगों का आक्रोश फूर्ह गया। लोग सड़क पर उत्तर कर हगामा करने लगे। इस बीच भी ड्रॉका

वर्जन -

**Q** दिन में गासा रोककर काम करने का कोई ओपियत नहीं बनता है। आम जनमानस के साथ दुर्घटनाकर और एम्बुलेंस रोकने जैसी शिकायत की जाच कर दोषियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

के के सिंह  
अधिकारी अधिकारी  
(लोक निर्माण विभाग, वाराणसी)









## सम्पादकीय

अमेरिकी अपमान पर  
प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं

कांग्रेस लगभग अकेली है सामाजिक न्याय की लड़ाई में कांग्रेस रूप विश्वासघातियों का फेटो लगाने से अच्छा संदेश नहीं जो भारतीय जनता पार्टी यूएसएड से मिले 21 मिलियन डॉलर की मदद के नाम पर कांग्रेस को फँसाने का जाल बुन रही थी, अंततः उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फँस गये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गर्भीय संकट में डाल दिया है कि यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है शै इसे लेकर जहां प्रधान के प्रवक्ताओं, उसके आर्द्धी सेल और ट्रोल आर्मी को सांस सुन्न गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है। अब तक ट्रम्प के बयान की न तो भाजपा या केन्द्र सरकार ने पुष्टि की है और न ही खेड़न, परन्तु अपनी मोदी की ओर से इस बाबत कोई बयान आने का महत्व होगा। ट्रम्प का यह बयान मोदी को केवल राशि मिलने तक समित न होकर अनेक अर्थ खोलता है। यह मामला कहां तक जायेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन इससे मोदी बुरी तरह से घिरे साफदिखाई देते हैं। इसका पहला संकेत तो यही है कि ट्रम्प के आरोपों का किसी के पास कोई जवाब नहीं है। इस मामले के कई आयाम हैं। पहला यह कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के बास मोदी के विरुद्ध बहुत बड़ा मामला हाथ लग गया है। चूंकि मोदी ट्रम्प के साथ अपनी मित्रों का बार-बार दावा करते रहे हैं, इसलिये उनकी पार्टी तथा समर्थक यह आरोप भी करते रहे हैं और भारत के खिलाफकारी ताकरों का कार करते हैं, जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर कहा दिया जाता है। अमूमन इस तरह के आरोप लगाने पर इस थिंक्टंकरी ताकरों का हाथ बताया जाता है। अस्थावर्थ शिक्षण के इशारे पर रची जाने वाली साजिश। अब तो उन पर दबाव है कि उन्हें खुद को पाक-साफ साबित करना है। ऐसा करने के लिये उन्हें ट्रम्प को झुटा साबित करना होगा। खुद के अलावा सभी विरोधी नेताओं को भ्राताचारी करार देने वाले मोदी निरुत्तर हैं। भारत सरकार के ही वित्त मंत्रालय ने अपने रिकार्ड्स की छानवान कर कहा दिया है कि यूएसएड की मदद से देश में 7 परियोजनाएं तो चल रही हैं परन्तु उनमें बोर्ट टर्नआउट बढ़ाने को लेकर कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इससे यह सरकार भी जाने लगा है कि यह इस राशि का विरोधा गया है या किसी गलत तरीके से लिया गया है जिससे सीधे मोदी अथवा कोई लोगों को आधार देता है। विदेश मंत्री एवं जयशंकर ने इसे जितानक बताते हुए कहा कि इसके जांच हो रही है जिससे सच्चाई सामने आ जायेगी। इस राशि का प्रदाय बोर्ट टर्नआउट बढ़ाने के लिये किया गया है, अतरु इसे पिछले दिनों हुए विभिन्न चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने से जोड़ा जा रहा है। उक्खीरीय है कि अनेक राज्यों के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान समाप्त होने के समय जो प्रतिशत होता था, वह अगले तीन-चार घंटों में बढ़ते हैं पर बढ़ जाता था। यह माना जाता है कि इसके कारण अनेक राज्यों में हारती हुई भाजपा को सरकार बनाने में मदद मिली थी।

महाराष्ट्र में तो दोपहर प्रदेश की आबादी के बाबर के मतदान पांच माह की अल्प अवधि में बढ़ गये। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में भी कहां जाता है कि भाजपा ने करीब 80 सीटें मेनेज कीं बरना वह सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थीं तो क्या वह 21 मिलियन की राशि इस तरह से बोर्ट टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर खर्च की बात छेड़ दी है जिसके बारे में अनुमान है कि उनका इशारा भारत की चुनाव प्रक्रिया की ओर ही है जो पिछले कुछ समय में जबर्दस्त विवादों में है। जिन चुनावों की बात ऊपर की गयी है, उनमें गडबड़ीय और कथित हेरा-फेरी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मरीजों से ही की गयी हैं देश में इसका जबर्दस्त विवरण हो रहा है जबकि भाजपा, केन्द्र सरकार और उसके इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग इलायम के जरिये ही चुनाव कराता है। कई विरोधी बाल और सिविल सेवायितायों इसके खिलाफ़ और बैलेट पेपर से चुनाव करने की मांग कर रही हैं। चुनाव आयोग तो इस पर विवाद की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं है, सुप्रीम कोर्ट से भी यह मान नामंजूर हो चुकी है। दुनिया के ज्यादातर विकसित व लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व देश बैलेट पेपर से ही चुनाव करता है, अमेरिका में भी यही प्रणाली अपनाई जाती है। देश में कई लोगों ने कहा है कि इंडियाएं को हैक किया जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग का विचार इसके ठीक विवरण है। अब ट्रम्प ने उद्योगपति एलन मस्क को कम्प्यूटरों के मामले में किसी भी व्यक्ति से अधिक जानकार बताता है उनके बहाले से कहा कि इंवेस्टीम को प्रभावित किया जा सकता है इसलिये बैलेट पेपर के जरिये निवाचन पद्धति ही श्रेष्ठ है। चूंकि पिल्हाल इस पर विवाद सिफ़ेभारत में ही चल रहा है, साथ ही कि ट्रम्प का यह अप्रवृक्ष अक्षमण मोदी पर ही है। भारत में अमेरिकी सामाजों पर ऊंची शुल्क दरों को लेकर वे पहले ही कह चुके हैं कि भारत जितनी ऊंची दर लगायेगा, उनका देश भी भारत की वस्तुओं पर जतना ही टैरिफ़रखेगा। कुल मिलाकर अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार सार्वजनिक तौर पर भारत को अपमानित करने की चेतावनी करते हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी की इस मामले में असाधारण चुप्पी देश को इस समय काफ़ी खल रही है।

## ट्रम्प के द्वालासों पर मोदी की चुप्पी क्यों

शकुन अख्तर

ट्रम्प अच्छी दोस्ती निभा रहे हैं हमारे प्रधानमंत्री मोदी की। माय डिपर फ्रेंड कह कर रोज नए खुलासे कर रहे हैं। अब चौथी बार 18 मिलियन डालर की बात कही है। कहां गया यह पैसा? विसके पास आया यह तो अब सबाल ही नहीं। प्रेसिडेन्ट ट्रम्प ने खुद कहा कि माय डिपर फ्रेंड मोदी को दिया। मगर मोदी जी ने क्या किया? क्यों लिया? राहुल को बदनाम करने के लिए? राहुल ने खुद कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए भाजपा ने हजारों कोरोड रुपया खर्च किया। कांग्रेस के मीडिया डिपार्टमेंट के चेयरमेन पवन खेड़ा ने कहा कि 2021 से 2024 के बीच अमेरिका से 650 मिलियन डालर (करीब 600 कोरोड रुपया) भारत आया। और राहुल ने जो बात कही कि तकनीकी दृष्टि से भारत जोड़ी थी। 2022 में। अपनी भारत जोड़ी यात्रा के अधिकारी दौर में। कांग्रेस ने मोदी सरकार से मही मार्ग की है कि सरकार को लॉडिंग पेपर लाना चाहिए। मतलब सरकार तो तथ्य देख के सामने रखना। यह भारत की छापी के लिए भी जरूरी है। प्रधानमंत्री पद के समान और उसकी गरिमा के लिए भी है। अपनी मेहनत और निर्देश से जनता के बीच लोकप्रियता नेता के तौर पर स्थापित हो गा राहुल गांधी के सामानिक सवालों का असर अब पार्टी में दिख रहा है। सब तो नहीं मगर कई नेता हिम्मत के साथ संघ की सच्चाईयां लोगों के सामने लाते हैं।

राहुल पर तो संघ और भाजपा के लोगों ने देश भर में दर्जनों मुकदमे लगा रखे हैं। मार राहुल उनसे डरने के बदले मामलों के सारे तथ्य समाने लाने की मांग कर रहे हैं। अभी पूरा की एक अदालत में सावरकर की मानहानि के मामले में राहुल ने कहा कि सावरकर को मामले में पूरे तरह अदालत के सामान आया चाहिए। तथ्य और कानून दोनों के जटिल सवाल हैं। गहन और सामने लाना है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। इसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की प्रवादित बदली जाकर इसे समान मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संकेत पर समान मामले में राहुल वह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके बारे में एक विस्तृत जिरह है। एक विस्तृत जिरह को लॉडिंग सवाल से जोड़ा जा सकता है। इसलिए मुकदमे की



